गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-523

पाठ्यक्रम का शीर्षक: आधुनिक गद्य की अन्य विधाएँ

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रावृत्त आदि विधाओं की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियों को गद्य की इतर विधाओं - निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, डायरी आदि की जानकारी देना। • विद्यार्थियों को गद्य विधाओं के इतिहास से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को विधाओं के श्रेष्ठ साहित्य से परिचित कराना। • विद्यार्थियों को विधाओं के बीच के अंतस्संबंध से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. निबंध -** • प्रतापनारायण मिश्र - ट • हरिशंकर परसाई - साहित्य और नंबर दो का कारोबार • रामवृक्ष बेनीपुरी - नींव की ईंट • विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है • सुशील सिद्धार्थ - मालिश महापुराण	**18**
	2. संस्मरण - महादेवी वर्मा : सुभद्राकुमारी चौहान सुधीर विद्यार्थी : मेरा राजहंस	**08**

	3. डायरी - गणेश शंकर विद्यार्थी की जेल डायरी	**10**
	4. यात्रावृत्त - राहुल सांकृत्यायन : किन्नर देश में	**14**
	5. आत्मकथा - प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) खेतान, प्रभा. अन्या से अनन्या. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010. 2) सलिल, सुरेश (संपादन). गणेश शंकर विद्यार्थी जेल डायरी. प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1981. 3) सांकृत्यायन, राहुल. किन्नर देश में. किताब महल, दिल्ली, 1948. 4) सिद्धार्थ, सुशील, मालिश महापुराण. सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2014.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) चतुर्वेदी, रामस्वरूप. गद्य विन्यास और विकास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996. 2) तिवारी, रामचंद्र. हिंदी का गद्य साहित्य. चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी, 1987. 3) प्रकाश, अरुण. गद्य की पहचान. अंतिका प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 4) वर्मा, धीरेंद्र. हिंदी साहित्य कोश. ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2015.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी इतर विधाओं से परिचित होंगे। • विद्यार्थी इतर विधाओं के इतिहास और साहित्य से परिचित होंगे। • विद्यार्थी विधाओं के श्रेष्ठ साहित्य से परिचित होंगे। • विद्यार्थी विधाओं के बीच के अंतस्संबंध से परिचित होंगे।	